नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस की 130वीं वर्षगाँठ

स्रोत: डरबन लोकल

हाल ही में 22 अगस्त 2024 को **नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC)** की 130वीं वर्ष गाँठ मनाई गई, जिसकी स्थापना 22 मई, 1894 को **महात्मा गांधी** के प्रस्ताव के आधार पर **अगस्त 1894** में की गई थी।

- इसका गठन दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के विरुद्ध भेदभाव से निपटने के लिये किया गया था।

नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस क्या थी?

- **नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC) पहली भारतीय कॉन्ग्रेस थी,** जिसकी स्थापना **महात्मा गांधी ने वर्ष 1894 में** नेटाल (दक्षिण अफ्रीका का एक प्रांत) में भारतीयों के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिये की थी।
- 1920 के दशक से NIC **दक्षिण अफ्रीकी भारतीय कॉन्ग्रेस (SAIC)** के अधीन कार्य करती रही।
- **1930-1940 के दशक में डॉ. जी.एम. नायकर** की लोकप्रियता के साथ संगठन के विचारों में परिवर्तन आया तथा यह उग्रवादी विचारों की ओर अग्रसर हुआ। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1945 में डॉ. जी.एम. नायकर इसके नेतृत्वकर्त्ता बने।
- NIC की बढ़ती उग्रता के कारण 1950 और 1960 के दशक में **कई नेताओं को जेल में डाल दिया गया।**
- **आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित न होने के बावजूद,** दमन एवं उत्पीड़न के कारण NIC को अपनी गतिविधियों को रोकना पड़ा, जब तक कि **वर्ष 1971 में इसका पुनरुद्धार** नहीं हुआ और इसका ध्यान नागरिक कार्यों पर केंद्रित हो गया।
- 1980 के दशक के मध्य में NIC ने **यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF)** के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - UDF का लक्ष्य **"गैर-नस्लीय, एकीकृत दक्षिण अफ्रीका"** की स्थापना करना था।

दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह में महात्मा गांधी की क्या भूमिका थी?

- **भारतीय समुदाय का एकत्रीकरण और सत्याग्रह:**
  - **नेटाल सत्याग्रह:** 7 जून 1893 को महात्मा गांधी को नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा, जब उन्हें दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्ज़बर्ग रेलवे स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के ट्रेन के डिब्बे से ज़बरन उतार दिया गया। इस घटना ने **नेटाल सत्याग्रह में उनके पहले अहिंसक विरोध** के माध्यम से सविनय अवज्ञा की उनकी भावना को प्रज्वलित किया।
    - गांधीजी ने भारतीय समुदाय को एकजुट करने तथा मताधिकार और भेदभावपूर्ण कानूनों जैसे मुद्दों के समाधान के लिये **नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस (NIC)** की स्थापना की।
  - **ट्रांसवाल ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन:** वर्ष 1903 में गांधीजी ने विशेष रूप से ट्रांसवाल क्षेत्र में बढ़ते प्रतिबंधों के खिलाफ **भारतीयों के अधिकारों का समर्थन ज़ारी रखने** के लिये इस एसोसिएशन की स्थापना की थी।
  - **सत्याग्रह का शुभारंभ:** वर्ष 1906 में **गांधीजी ने** एशियाई पंजीकरण अधिनियम के खिलाफ जोहान्सबर्ग में अपना **पहला सत्याग्रह** (अहिंसक प्रतिरोध) **अभियान शुरू किया,** जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और सविनय अवज्ञा हुई।
    - ट्रांसवल में **एशियाई पंजीकरण अधिनियम 1906,** के तहत एशियाई पुरुषों, मुख्य रूप से भारतीयों और चीन के लोगों को **पंजीकरण कराना, उंगलियों के निशान दिखाना, पंजीकरण प्रमाणपत्र साथ रखना** और शारीरिक परीक्षण से गुजरना अनिवार्य था। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में **एशियाई लोगों के प्रवेश और आवागमन को नियंत्रित एवं प्रतिबंधित करना था।**
    - दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों ने **पैसिव रेजिस्टेंस एसोसिएशन** बनाकर भेदभावपूर्ण कानून का विरोध किया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र जला दिये, जिससे दक्षिण अफ्रीकी सरकार की नकारात्मक छवि बनी। अंततः संघर्ष एक समझौते के साथ समाप्त हुआ।
- **एम्बुलेंस कॉर्प्स का संगठन:**
  - **एंग्लो-बोअर युद्ध (1899-1902)** के दौरान गांधीजी ने **अंग्रेज़ों की सहायता के लिये भारतीय स्वयंसेवकों** की एक एम्बुलेंस कॉर्प्स का गठन किया, जिससे भारतीयों के साथ बेहतर व्यवहार की उम्मीद थी, लेकिन यह **उम्मीद पूरी नहीं हुई।**
- **सामुदायिक जीवन की स्थापना:**
  - गांधीजी ने सामुदायिक जीवन प्रयोग के रूप में वर्ष 1904 में डरबन में **फीनिक्स सेटलमेंट** की स्थापना की।
    - उन्होंने पूंजीवाद की आलोचना पर **जॉन रस्किन की पुस्तक अनटू दिस लास्ट (John Ruskin's Unto This Last)** को पढ़ने से प्रेरित होकर इस फार्म की स्थापना की थी।

- उन्होंने सत्याग्रहियों को तैयार करने के लिये **वर्ष 1910 में जोहान्सबर्ग के समीप टॉल्स्टॉय फार्म** की स्थापना की।
    - इन पहलों का उद्देश्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना, सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना और व्यावहारिक कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करना था।
- **वर्ष 1913 का सत्याग्रह अभियान:**
    - गांधी जी ने **पोल टैक्स , विवाह पंजीकरण अधिनियम** के खिलाफ एक बड़े सत्याग्रह का नेतृत्व किया और अपनी पत्नी कस्तूरबा सहित भारतीय महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भागीदारी के साथ कानून पारित किये।
        - साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने **ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार नहीं किये गए सभी विवाहों को अमान्य कर दिया था** , जिससे भारतीयों और अन्य गैर-ईसाई लोगों का गुस्सा भड़क उठा था।
- **कानूनी सुधार और भारतीय अधिकारों की मान्यता:**
    - गांधीजी के विरोध के निरंतर दबाव के कारण दक्षिण अफ्रीकी सरकार को वर्ष 1914 के भारतीय राहत अधिनियम को स्वीकृति देनी पड़ी, जिसमें भारतीय समुदाय के अनेक मुद्दों को हल किया गया।
- **गांधीवादी आंदोलनों का प्रभाव:**
    - **सत्याग्रह का विकास:** दक्षिण अफ्रीका में गांधी के अनुभव **अहिंसक प्रतिरोध के उनके दर्शन** को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुए, जिसे उन्होंने बाद में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी लागू किया।
    - **वैश्विक प्रभाव:** दक्षिण अफ्रीका में गांधी के तरीकों ने विश्व भर में**आगामी नागरिक अधिकार आंदोलनों की नींव** रखी और **नस्लीय एवं औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ वैश्विक प्रयासों** को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।
        - **नेल्सन मंडेला** और **मार्टिन लूथर किंग** दोनों ही गांधीजी और उनके सत्याग्रह से बहुत प्रभावित थे।

//

मोहनदास करमचंद गांधी

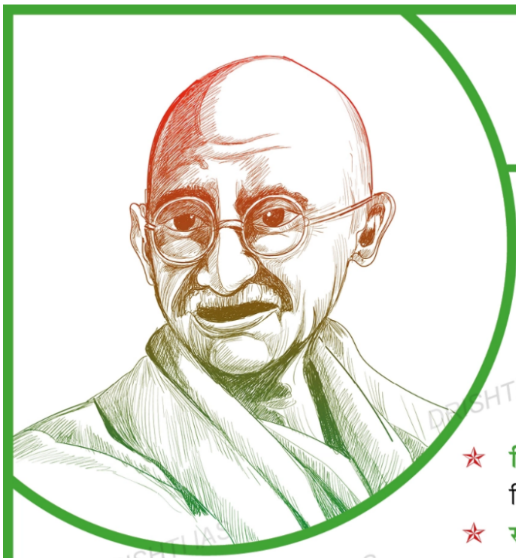

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म:** **2** अक्तूबर, **1869**; पोरबंदर (गुजरात).
  - **2** अक्तूबर को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- **प्रोफाइल:** वकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्त्ता।
  - राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- **विचारधारा:** अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- **राजनीतिक गुरु:** गोपाल कृष्ण गोखले

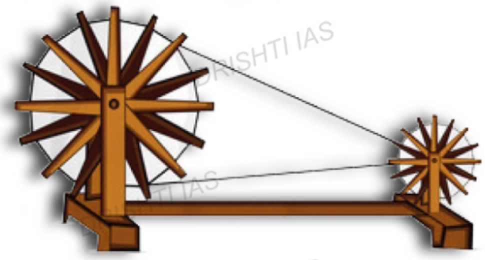

- **मृत्यु:** नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (**30 जनवरी**, **1948**)।
  - **30** जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
  - दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष **9** जनवरी को **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह **(1917)**, प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- पहली भूख हड़ताल और खेड़ा सत्याग्रह **(1918)**- पहला असहयोग।
- **राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन:** रॉलेट एक्ट के खिलाफ **(1919)**, असहयोग आंदोलन **(1920-22)**, सविनय अवज्ञा आंदोलन **(1930&34)**, भारत छोड़ो आंदोलन **(1942)**।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931):** गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- **पूना पैक्ट (1932):** गांधी और **बी.आर. अंबेडकर** के बीच; इसने वंचित वर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यंग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।

उद्धरण

- **"खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।"**
- **"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।"**
- **"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।"**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न 1. इनमें से कौन अंग्रेज़ी में अनूदति प्राचीन भारतीय धार्मकि गीतकिाव्य- 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रज़िन' से संबद्ध है? (2021)

(a) बाल गंगाधर तलिक
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) मोहनदास करमचंद गांधी

(d) सरोजनिी नायडू

उत्तर: (c)

प्रश्न 2. भारत में ब्रटिशि औपनविशकि शासन के संदर्भ में नम्नलखिति कथनों पर वचािर कीजयि: (2019)

1. महात्मा गांधी ‘गरिमटियिा (इंडेंचर्ड लेबर)’ प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे।
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड की ‘वॉर कॉन्फरेन्स’ में महात्मा गांधी ने वशि्व युद्ध के लयि भारतीयों की भरती से संबंधति प्रस्ताव का समर्थन नहीं कयिा था।
3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परणािमस्वरूप औपनविशकि शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस को अवैध घोषति कर दयिा गया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/130th-anniversary-of-natal-indian-congress